बी.ए० तृतीय वर्ष
तृतीय प्रश्न-पत्र

- डॉ० कृष्ण शंकर यादव

राष्ट्रीय शक्ति के तत्व

8. कूटनीति (Diplomacy)

- अंतर्राष्ट्रीय सम्बंधों का संचालन विदेश नीति के द्वारा होता है। विदेश नीति को ठीक रीति से लागू करने का कार्य कूटनीति करती है।
- यदि मनोबल राष्ट्रीय शक्ति की आत्मा है तो कूटनीति उसका मस्तिष्क है।
- किसी देश के पास उसे महाशक्ति बनाने के अन्य साधन - उत्कृष्ट भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक साधनों की प्रचुरता, आत्मनिर्भरता, औद्योगिक उत्पादन की क्षमता, सैनिक उत्कृष्टता, पर्याप्त जनसंख्या होने पर भी वह इनका पूरा लाभ तब तक नहीं उठा सकता जब तक उसके कूटनीतिज्ञ उत्कृष्ट कोटि के न हो।
- पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मामला उठाता रहता है लेकिन भारत की उत्तम कूटनीति के द्वारा वह पराजित होता रहता है।
- प्रथम एवं द्वितीय विश्वयुद्ध में कूटनीति की निर्णायक भूमिका रही।
- अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, ब्रिटेन, रूस, भारत, इजराइल आदि देश कूटनीति के कारण अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भूमिका निभाते रहते हैं।

9. औद्योगिक क्षमता (Industrial Capacity)

- औद्योगिक स्तर में परिवर्तन शक्ति के स्तर में भी परिवर्तन उत्पन्न कर देते हैं। औद्योगिक क्षमता के अभाव में कच्चे माल का कोई विशेष महत्व नहीं होता।
- अमेरिका और अन्य यूरोपीय देश, रूस, चीन ने कच्चे माल को औद्योगिक उत्पादन में परिणत कर दिया।
- जब तक एक औद्योगिक राष्ट्र के रूप में ब्रिटेन का कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था तब तक वह सम्पूर्ण संसार में सबसे शक्तिशाली राष्ट्र था।
- भारत में कच्चे माल की बहुलता के बावजूद अमेरिका एवं यूरोपीय देशों की यह औद्योगिक क्षमता विकसित नहीं कर पाया है। फिर भी भारत की औद्योगिक क्षमता दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है एवं महाशक्ति बनने की सम्भावना प्रबल होती जा रही है।